भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2144
दिनांक 15 दिसम्बर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

वायु-प्रदूषण का प्रभाव

2144. एडवोकेट अदूर प्रकाश:
श्री के. सुधाकरन:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश भर में वायु-प्रदूषण के परिणामस्वरूप बढ़ती स्वास्थ्य-संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए कोई कदम उठाया है/उठाने का विचार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने देश में बच्चों के स्वास्थ्य पर पीएम-2.5 के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए कोई अध्ययन किया है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) सरकार द्वारा देश में वायु-गुणवत्ता में गिरावट से विषम रूप से प्रभावित होने वाले पुलिसकर्मियों और आउटडोर कार्य करने वाले गिग श्रमिकों की स्वास्थ्य-देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) से (घ): वायु प्रदूषण श्वसन संबंधी बीमारियों और संबंधित रोगों को बढ़ाने वाले कारकों में से एक है। स्वास्थ्य कई कारकों से प्रभावित होता है जिसमें पर्यावरण के अलावा व्यक्तियों के खान-पान की आदतें, व्यावसायिक आदतें, चिकित्सा इतिहास, प्रतिरोधक क्षमता, आनुवंशिकता आदि शामिल हैं।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र (एनसीडीसी), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने देश भर में वायु प्रदूषण के कारण बढ़ती स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करते हुए वायु प्रदूषण के संबंध में स्वास्थ्य एडवाईज़री जारी की है। [यहां पर है]: है: https://ncdc.mohfw.gov.in/WriteReadData/l892s/3065716611669017053.pdf

भारतीय आयुर्वज्ञान अनुसंधान परिषद रिसर्च (आईसीएमआर) ने पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई) और इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) के सहयोग से "भारत भर में मौतों, बीमारी के बोझ और जीवन प्रत्याशा पर वायु प्रदूषण का प्रभाव" नामक अध्ययन किया है। [यहां http://dx.doi.org/10.1016/S2542-5196(18)30261-4 पर उपलब्ध है]।

आईसीएमआर ने श्वसन संबंधी रुग्णता पर वायु प्रदूषण में वृद्धि के तीव्र प्रभाव का दस्तावेजीकरण करने के लिए एक बहुस्थलीय अध्ययन भी किया है। यह अध्ययन 5 स्थानों अर्थात् [एम्स (बाल चिकित्सा, वयस्क), कलावती सरन बाल अस्पताल, वीपी चेस्ट संस्थान, राष्ट्रीय क्षय रोग और श्वसन रोग संस्थान] के आपातकालीन कक्ष में मौजूद रोगियों पर किया गया था। अध्ययन के उद्देश्य के लिए, वायु प्रदूषण को तीन समूहों (उच्च, मध्यम और निम्न प्रदूषण दिवस) में विभाजित किया गया था। कुल 33213, जो आपातकालीन कक्षों का दौरा करने वाले रोगियों की संख्या का 12.6% था, की पहचान की गई और पूर्ण डेटा संग्रह के साथ नामांकित किया गया। इस विश्लेषण ने सुझाव दिया कि आपातकालीन कक्षों में मौजूद रोगियों की संख्या वृद्धि प्रदूषण के स्तर में वृद्धि से जुड़ी थी। बच्चों में इसका प्रभाव अधिक स्पष्ट था। प्रासंगिक लेख को https://doi.org/10.1007/s11356-021-13600-7 पर देखा जा सकता है।

भारत सरकार ने वायु प्रदूषण के मुद्दों के समाधान के लिए कई कदम उठाए हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

i. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन- एलपीजी प्रदान करके उनके स्वास्थ्य की रक्षा करना है।
ii. भारत के शहरों, छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों की गलियों, सड़कों और बुनियादी ढांचे को साफ करने के लिए स्वच्छ भारत मिशन। स्वच्छ हवा स्वच्छ भारत का एक अभिन्न अंग है।
iii. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने देश भर में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए राष्ट्र स्तरीय कार्यनीति के रूप में वर्ष 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम शुरू किया है।
iv. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2019 से देश में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसीएच) पर राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) की शुरुआत की है जिसका उद्देश्य जलवायु संवेदनशील स्वास्थ्य मुद्दों पर जागरूकता सृजित करना, क्षमता निर्माण करना, स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारी और अनुक्रिया एवं साझेदारी संबंधी कार्यकलाप करना है। अब इस कार्यक्रम का सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में विस्तार किया जा चुका है और जलवायु संवेदनशील रोगों, के संबंध में प्रशिक्षण, तीव्र श्वसन संबंधी बीमारियों और गर्मी से संबंधित बीमारियों की निगरानी, वायु प्रदूषण एवं हीट और बच्चों सहित इसके सावस्थ पर प्रभावों के बारे में सूचना, शिक्षा और सम्प्रेषण (आईईसी) के सृजन तथा प्रसार के रूप में कार्यकलापों का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा, वर्ष 2020 में राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 'वायु प्रदूषण और बच्चों के स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव' के संबंध में हिंदी और अंग्रेजी दोनों में दिशानिर्देश विकसित किए गए और इन्हें कार्यान्वयन के लिए राज्यों के साथ साझा किया गया है।
v. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एनसीडीसी बच्चों सहित आम जनता की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रति वर्ष स्वास्थ्य एडवाईज़री जारी करता है। वायु प्रदूषण और बच्चों के स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के संबंध में सामुदायिक स्तरीय स्वास्थ्य संबंधी कार्मिकों के लिए कई कार्यशालाएं और प्रशिक्षण आयोजित किए गए हैं।

*****